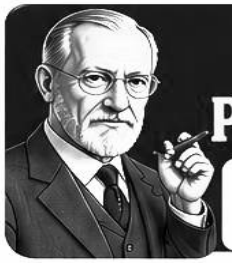

SIGMUND FREUD'S PSYCHOSEXUAL DEVELOPMENT THEORY

According to Freud, personality develops through a series of psychosexual stages. Personality is made up of three parts – Id, Ego and Superego.

THE 5 STAGES OF PSYCHOSEXUAL DEVELOPMENT

STAGE	AGE	FOCUS AREA	KEY TASK / CONFLICT	OUTCOME (IF SUCCESSFULLY RESOLVED)
1 ORAL STAGE	Birth to 18 months	Mouth Sucking, chewing, biting	Weaning Need for satisfaction through the mouth	✓ Hope, trust Healthy dependence and optimism
2 ANAL STAGE	18 months to 3 years	Anus Toilet training, holding, releasing	Training Control over elimination	✓ Willpower, self-control Orderliness
3 PHALLIC STAGE	3 to 6 years	Genitals Interest in genital pleasure	Oedipus / Electra Complex Desire for opposite-sex parent	✓ Purpose, confidence Healthy identification with same-sex parent
4 LATENCY STAGE	6 to 12 years	None Psychic energy is suppressed	Learning & Social Skills Focus on school, friends and hobbies	✓ Competence, industry Developing self-esteem
5 GENITAL STAGE	12 years and above	Genitals Mature sexual interests	Intimacy Building mature, loving relationships	✓ Love, commitment Healthy relationships and responsibility

STRUCTURE OF PERSONALITY: ID, EGO & SUPEREGO

ID (The Pleasure Principle)

- Innate and instinctive part.
- Works on the Pleasure Principle.
- Seeks immediate pleasure and avoids pain.

Instincts, Desires, Needs

+

EGO (The Reality Principle)

- Rational part that develops in contact with reality.
- Works on the Reality Principle.
- Balances the demands of Id and Superego.

Logic, Reason, Reality

+

SUPEREGO (The Morality Principle)

- Moral part developed from parents and society.
- Works on the Morality Principle.
- Represents conscience and ideals.

Morals, Values, Ideals

KEY PEDAGOGICAL IMPLICATIONS

Understand students' developmental stage and their needs accordingly.

Provide a safe, loving and supportive environment for healthy development.

Help students manage their instincts and emotions in positive ways.

Develop moral values, social skills and a sense of responsibility.

KEY TAKEAWAY

Freud's psychosexual development theory states that personality develops through 5 stages and is shaped by Id (desires), Ego (reality) and Superego (morals). A healthy balance leads to a happy and successful life.

फ्रायड का मनोलैंगिक विकास सिद्धांत

फ्रायड के अनुसार, व्यक्तित्व का विकास मनोलैंगिक अवस्थाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से होता है।
व्यक्तित्व तीन अलग-अलग भागों से मिलकर बना होता है: इदम्, अहम्, और परमअहम्।

मनोलैंगिक विकास की 5 अवस्थाएँ

अवस्था	आयु	मुख्य क्षेत्र	मुख्य कार्य / संघर्ष	परिणाम (यदि सफल)
1 मौखिक अवस्था	जन्म से 18 महीने तक	मुख: चूसना, चबाना, काटना	दूध छुड़ाना मुख के माध्यम से संतुष्टि की आवश्यकता	आशा, विश्वास स्वस्थ निर्भरता और आशावाद
2 गुदा अवस्था	18 महीने से 3 वर्ष तक	गुदा शौच प्रशिक्षण, रोकना, छोड़ना	प्रशिक्षण निष्कासन पर नियंत्रण	इच्छाशक्ति, आत्म-नियंत्रण सुव्यवस्थितता
3 लिंगिक अवस्था	3 से 6 वर्ष तक	जननांग जननांग सुख में रूचि	ओडीपस / इलेक्ट्रा जटिलता विपरीत-लिंगी अभिभावक के प्रति आकर्षण	उद्देश्य, आत्मविश्वास समान-लिंगी अभिभावक के साथ स्वस्थ पहचान
4 सुप्तावस्था	6 से 12 वर्ष तक	कोई नहीं मानसिक कर्जा दबाई जाती है	अधिगम और सामाजिक कौशल विद्यालय, मित्रों और रूचियों पर ध्यान	कुशलता, परिश्रम आत्मसम्मान का विकास
5 जनन अवस्था	12 वर्ष और उससे अधिक	जननांग परिपक्व यौन रूचियों	निकटता परिपक्व, प्रेमपूर्ण संबंधों का निर्माण	प्रेम, प्रतिबद्धता स्वस्थ संबंध और जिम्मेदारी

व्यक्तित्व की संरचना (तीन भाग)

इदम् (आनंद सिद्धांत)

- जन्मजात और स्वाभाविक भाग।
- आनंद सिद्धांत पर कार्य करता है
- तत्काल सुख चाहता है और पीड़ा से बचता है
- सूत्र: "मुझे यह अभी चाहिए!" (प्रवृत्तियों, इच्छाऐं, आवश्यकताऐं)

प्रवृत्तियों, इच्छाऐं, आवश्यकताऐं

+

अहम् (वास्तविकता सिद्धांत)

- तर्कसंगत भाग जो वास्तविकता के संपर्क में विकक्तित होता है
- वास्तविकता सिद्धांत पर कार्य करता है
- संतुलन बनाता है इदम् और परमअहम् की मांगों का।
- सूत्र: "मुझे वास्तविक रूप से सोचना चाहिए!" (तर्क, कारण, वास्तविकता)

तर्क, कारण, वास्तविकता

+

परमअहम् (नैनिकता सिद्धांत)

- नैतिक भाग जो माता-पिता और समाज से विकक्तित होता है
- नैतिकता सिद्धांत पर कार्य करता है
- अंतरात्मा और आदर्शों का प्रतिनिधिव्व करता है
- सूत्र: "यह सही है। तुम्हें यह करना चाहिए!" (नैतिकताऐं, मूल्य, आदर्श)

नैतिकताऐं, मूल्य, आदर्श

मुख्य शैक्षिक निहितार्थ

छात्रों की विकासात्मक अवस्थाओं को समझें और उसी अनुसार उनकी आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए।

स्वस्थ विकास के लिए सुरक्षित, प्रेमपूर्ण और सहयोगात्मक वातावरण प्रदान करना चाहिए।

छात्रों को अपनी प्रवृत्तियों और भावनाओं को सकारात्मक तरीकों से निर्मित करना चाहिए।

नैतिक मूल्यों, सामाजिक कौशल और जिम्मेदारी की भावना का विकास करना चाहिए।

मुख्य निष्कर्ष

फ्रायड का सिद्धांत बताता है कि व्यक्तित्व 5 अवस्थाओं के माध्यम से विकक्तित होता है और यह इदम् (इच्छाऐं), अहम् (वास्तविकता), और परमअहम् (नैतिकता) द्वारा आकार ग्रहण करता है। इनका संतुलित समन्वय एक सुखी और सफल जीवन की ओर ले जाता है।